प्रशिक्षक के लिए निर्देश

- यह फ्लिपचार्ट पढ़कर और प्रशिक्षक के नोट्स विस्तारपूर्वक समझकर प्रशिक्षण सत्र की पहले से तैयारी करें।
- प्रशिक्षण शुरू होने से पहले, शिक्षक को हैंडआउट बांट दें। सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षण के समय हैंडआउट को भी समझाएं।
- प्रशिक्षण में हैंडआउट के साथ जुड़े रिपोर्टिंग फॉर्म और दिशा निर्देश विस्तार से समझायें।
- आपको फ्लिपचार्ट में दी गई 10 महत्वपूर्ण जानकारी प्रशिक्षण में ज़रूर शामिल करनी है। इन में से कोई भी जानकारी न छोड़ें। इस फ्लिपचार्ट में प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) के लिए एक चित्र और प्रशिक्षक के लिए नोट्स दिए गए हैं।
- प्रशिक्षण बातचीत के माध्यम से करें, और सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) सीख रहें हैं।

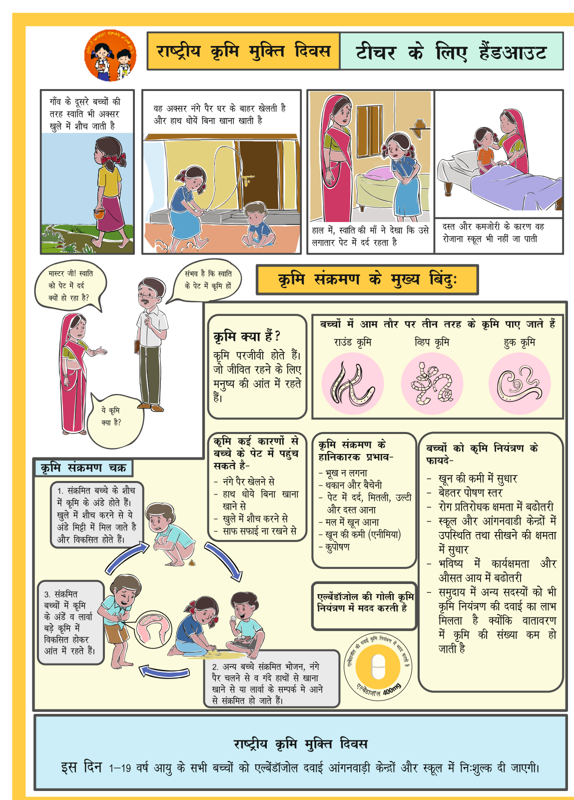

हैंडआउट

Technical Partner
Logo to be Placed Here

1

गाँव के दूसरे बच्चों की तरह
स्वाति भी खुले में शौच करती है।

1

यह स्वाति है। गाँव के अन्य बच्चों की तरह वहः

- नंगे पैर खेलती व घूमती है
- बिना हाथ धोए खाना खाती है
- खुले में शौच जाती है
- शौच करने के बाद हाथ नहीं धोती है
- फ़ल व सब्ज़ियाँ बिना धोए खाती है
- खाने को ढ़क कर नहीं रखती जिससे खाना दूषित हो सकता है

2

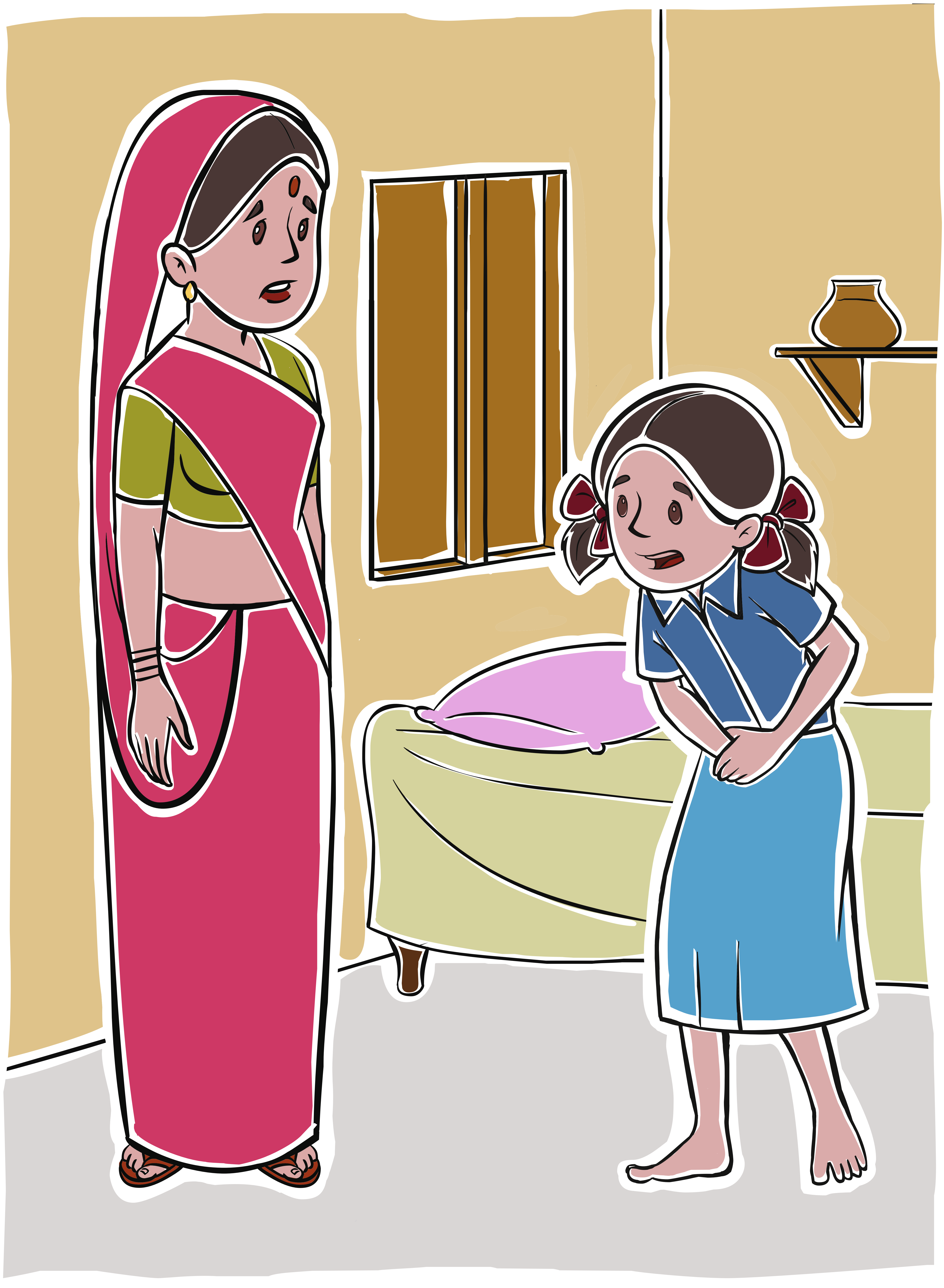

स्वाति अक्सर बीमार रहती है। दस्त और कमज़ोरी के कारण स्वाति स्कूल भी नहीं जा पाती।

2

अक्सर स्वाति को यह लक्षण महसूस होते है:

- खून की कमी (अनीमिया)
- कुपोषण
- कमज़ोरी और बेचैनी
- पेट में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी, दस्त
- भूख न लगना
- थकान
- वज़न में कमी

ये सारे लक्षण कृमि संक्रमण के कारण हो सकते है, कृमि यानी आंत के कीड़े।

3

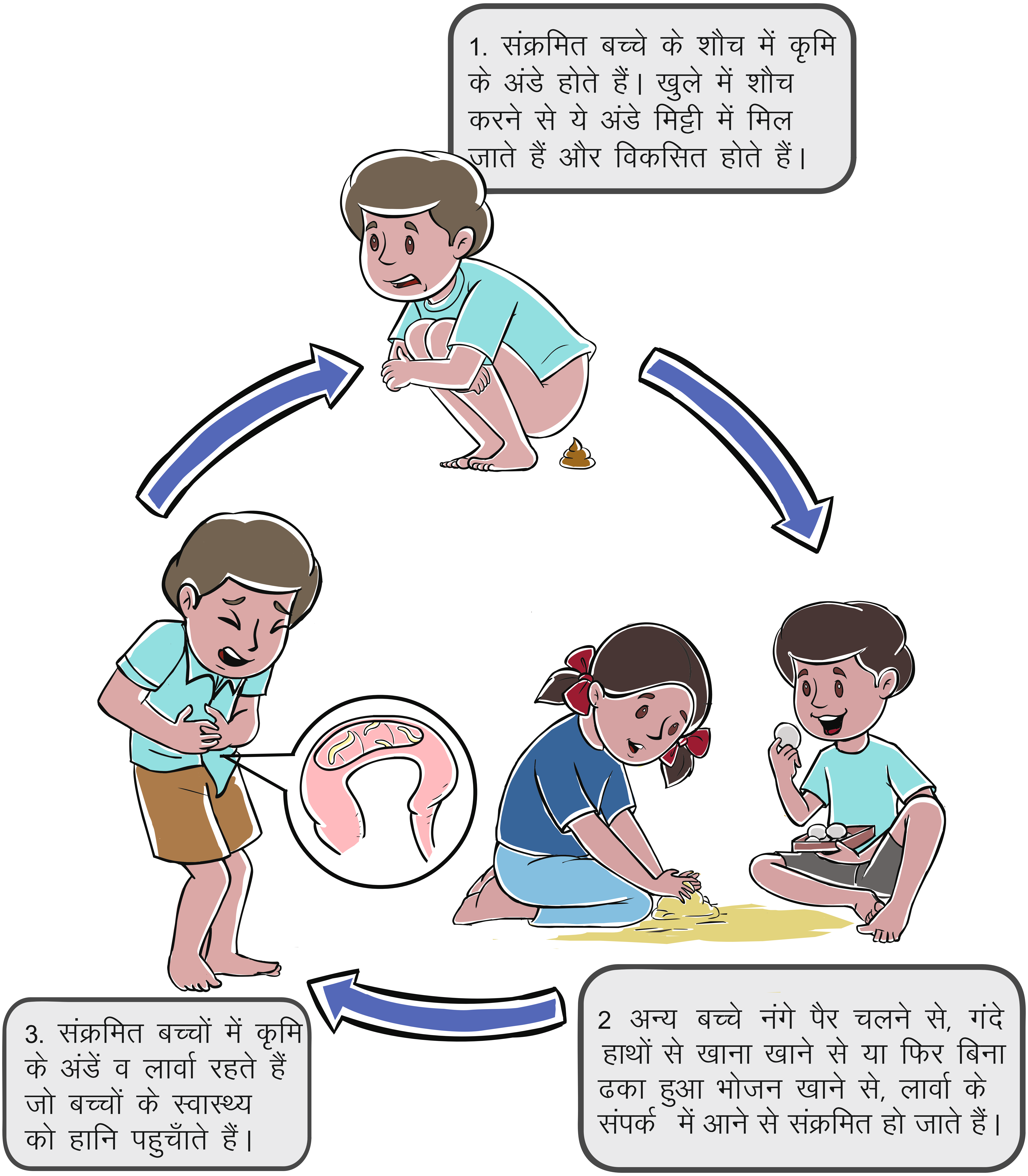

कृमि संक्रमण चक्र

3

➔निर्देशः- शिक्षक को हैंडआउट खोलने के लिए कहें

कृमि क्या हैं?

– कृमि परजीवी होते हैं, जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते हैं। कृमि मानव शरीर के ज़रूरी पोषक तत्व को खाते हैं जिनसे मनुष्य में खून की कमी, कुपोषण और वृद्धि में रुकावट होती है।

– कृमि आम तौर पर 3 प्रकार के होते हैं:

- राउंड कृमि • व्हिप कृमि • हुक कृमि

➔निर्देशः- हैंडआउट में दिए गए चित्र को देखने के लिए कहें

कृमि संक्रमण चक्रः-

➔निर्देशः- हैंडआउट में दिए गए संक्रमण चक्र पर ध्यान देने के लिए कहें और इसके माध्यम से कृमि संक्रमण चक्र को समझायें

– कृमि की जितनी अधिक मात्रा (तीव्रता) होगी संक्रमित बच्चों में लक्षण उतने अधिक होंगे।

– हल्के संक्रमण वाले बच्चों को आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते पर उनकी सेहत पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

– तीव्र संक्रमण से कई लक्षण होते हैं जैसे कमज़ोरी, भूख न लगना, खून की कमी व कुपोषण, जी मिचलाना, पेट में दर्द, उल्टी, दस्त, थकान।

➔निर्देशः- समझाएं कि कृमि संक्रमण से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिसके कारण भविष्य में उनकी कार्यक्षमता और औसत आय में कमी आ सकती है।

अध्ययन दर्शाता हैं की स्कूल में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम करने से बच्चों की अनुपस्थिति में 25% की कमी आती है

कृमि नियंत्रण कार्यक्रम

- कृमि से संक्रमित करोड़ों बच्चों के इलाज का सबसे आसान तरीका है कृमि नियंत्रण की दवाई खिलाना।
- एल्बेंडाजॉल (400mg) बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित है।
- यह दवाई सभी बच्चों को खिलाना आवश्यक है।

बच्चों पर कृमि नियंत्रण के फायदे:-

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानिक फायदे

- आंगनवाड़ी और स्कूल में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या में कमी होने पर समुदाय को भी लाभ होता है

आयु अनुसार खुराक:-

उम्र	एल्बेंडाजॉल (चबा कर खाने वाली दवाई)
6 से 19 साल के बच्चे	एल्बेंडाजॉल (एक पूरी दवाई)

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप दिवस

5

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस .... **फरवरी 2020** को मनाया जायेगा।
- इस कार्यक्रम को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा है।
- इस दिन आंगनवाड़ी व स्कूल के माध्यम से 1–19 साल के सभी नामांकित, पंजीकृत, गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को एल्बेंडाजॉल निःशुल्क खिलाई जाएगी।
- आंगनवाड़ी केन्द्र में 1–5 साल के सभी पंजीकृत और गैर-पंजीकृत बच्चों और 6–19 साल के स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा दवाई खिलाई जाएगी।
- स्कूल में 6–19 साल के सभी नामांकित बच्चों को शिक्षक द्वारा दवाई खिलाई जाएगी।
- आंगनवाड़ी केन्द्र और स्कूल में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की मदद से एक ही दिन में सभी बच्चों तक पहुंचा जा सकता है।
- जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर अनुपस्थित थे या बीमारी के कारण छूट गए हैं, उन्हें यह दवाई ...... **फरवरी 2020** मॉप-अप दिवस पर खिलवाएं।
- गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आशा नज़दीकी आंगनवाड़ी केन्द्र पर कृमि नियंत्रण दवाई के लिए लाएं।

6

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस में आपकी भूमिका

6

स्कूल आधारित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लाभ

1. स्कूल-

- बड़ी संख्या में बच्चों को सुरक्षित ढंग से कृमि नियंत्रण की दवाई खिलवाने का एक बेहतर अवसर और मंच मिलता है।
- कार्यक्रम को एक ही दिन में अधिक बच्चों तक पहुँचाने के योग्य बनाते हैं क्योंकि अधिकतर बच्चे स्कूल में मौजूद होते हैं।

2. शिक्षक-

- शिक्षक यह दवाई देने के लिए एक अनमोल स्रोत हैं।
- वे बच्चों और माता-पिता को शिक्षित कर सकते हैं क्योंकि समुदाय में उनका काफ़ी सम्मान होता है।

कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए शिक्षक की कुछ सामान्य ज़िम्मेदारियाँ हैं जो उन्हें राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले, कृमि मुक्ति दिवस दिन और उसके बाद पूरी करनी होती हैं

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

1. आपके स्कूल में सभी बच्चों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाई उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करें।
2. ए.एन.एम. और स्थानीय स्वास्थ केन्द्र से संपर्क करें और उनका फोन नम्बर संभाल कर रखें।
3. अपनी कक्षा में बच्चों को इस कार्यक्रम के बारे में सुबह होने वाली असेम्बली में और कक्षा में पढ़ाते समय यह जानकारी दें। सुनिश्चित करें कि इस दिन सारे बच्चे उपस्थित रहें।
4. आपके पास राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले निम्नलिखित सामग्री हो:
   - उपस्थिति रजिस्टर
   - रिपोर्टिंग फॉर्म
5. अपने स्कूल के अन्य सभी शिक्षक को डिवर्मिंग कार्यक्रम के बारे में संपूर्ण जानकारी/प्रशिक्षण दें और सभी आवश्यक सामग्री जैसे दवाई इत्यादि दें।
6. पोस्टर, बैनर आदि आइ.ई.सी. को सही तरीके से लगायें ताकि सभी उसे पढ़ पायें।
7. माता-पिता को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तिथि अवश्य बतायें जिससे वे अपने बच्चों को इस दिन स्कूल में ज़रूर ले जायें।

7

सामुदायिक जागरूकता में आपकी अहम भूमिका

7

- समुदाय को बच्चों के स्वास्थ पर कृमि संक्रमण के हानिकारक प्रभावों के बारे मे बताएं।
- समुदाय को कृमि नियंत्रण के लाभ एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बारे में बताएं।
- स्कूल में सुबह होने वाली असेम्बली में, और कक्षा में पढ़ाते समय बच्चों को यह जानकारी दें।
- शिक्षक के साथ होने वाली माता-पिता की मीटिंग और स्कूल मैनेज़मेंट कमिटी मीटिंग में कृमि नियंत्रण के लाभ के बारे में जरूर बतायें।
- माता-पिता को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों व माता-पिता को सूचित करें कि भिन्न स्रोतों से इस कार्यक्रम के बारे में प्रचार किया जा रहा है जैसे अखबार, टी.वी., रेडियो इत्यादि, उन्हे ध्यान से सुनें/देखें।

8

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

8

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर:

– सुनिश्चित करें कि आपके आसपास आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों जैसे:

- पीने का साफ पानी • पीने के लिए गिलास • प्रर्याप्त मात्रा में दवाई • दवाई खिलाने के लिए चम्मच • आपातकालीन फोन नंबर • उपस्थिति रजिस्टर

– एल्बेंडाजॉल दवाई खिलाने का सही तरीका:

- 6–19 साल के बच्चों के लिए 1 पूरी दवाई खिलाएं। गले में दवाई अटकने से बचाने के लिए बच्चों को हमेशा दवाई चबाकर खाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें।
- बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है।
- दवाई का सेवन खाली पेट भी किया जा सकता है।

क्या करें?	**क्या न करें?**
• सांस में अवरोध से बचने के लिए हमेशा बच्चों को दवाई चबाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें • शिक्षक चम्मच से अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएं।	• जो बच्चा बीमार है या अन्य कोई दवाई ले रहा है, उन्हें यह दवाई ना खिलाएं • बच्चों को दवाई पानी से निगलने के लिए ना कहें। • दवाई को घर ना ले जाने दें। • बच्चों को ज़बरदस्ती दवाई ना खिलाएं

– स्कूल में प्रतिकूल घटना (साइड इफेक्ट्स) होने पर क्या करें?

- यह दवाई बच्चों और बड़ों दोनों के लिए सुरक्षित है।
- जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली प्रतिकूल लक्षण जैसे-जी मिचलाना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।
- यह प्रतिकूल लक्षण अस्थाई होते हैं और आम तौर पर आसानी से स्कूल में संभालें जा सकते हैं।
- ऐसी स्थिति में बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें और बच्चे को निगरानी में रखें।

– एल्बेंडाजॉल आसानी से चबाकर खाने वाली दवाई है – फिर भी अगर दवाई का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ हल्के से थपथपाएं जिससे दवाई निकल जाए।

- किसी भी चिकित्सालय सहायता के लिए .... नम्बर पर फोन करें।

9

रिकॉर्डिंग

रिपोर्टिंग

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस --- फरवरी 2020
स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म

जमा करने वाली कॉपी

*कृपया नीचे दिए गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।
* *कृपया कक्षा एक से नीचे वाले कक्षा के बच्चों की संख्या (यदि कोई हो) तो कक्षा 1–5 की श्रेणी में जोड़ें।

राज्य का नाम:		जिला का नाम:	
ब्लॉक का नाम:	उपकेंद्र का नाम:	ग्राम/नगर का नाम:	
स्कूल का नाम		स्कूल का DISE कोड	
स्कूल का प्रकार उचित प्रकार पर टिक (✓) करें	सरकारी/सरकारी अनुदान ( )	निजी/प्राइवेट ( )	
क्या आपके स्कूल से किसी ने कृमि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण में भाग लिया था।	हाँ/नहीं		
एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज	लड़कियाँ	लड़के	कुल
स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या			
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 1 से 5 तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप दिवस पर एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(1)
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (कक्षा 6 से 12 तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप दिवस पर एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(2)
कुल योग: बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी (B = 1+ 2)	(B)		
स्कूल द्वारा रिपोर्ट की गई **गंभीर प्रतिकूल घटनाओं** की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारुप प्रस्तुत करें)			
स्टॉक विवरण			
स्कूल को प्राप्त एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
स्कूल के पास बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
हस्ताक्षरकर्ता का नाम (हेडमास्टर)			
हस्ताक्षर (हेडमास्टर)			
फॉर्म जमा करने की तिथि			
हेडमास्टर का फोन नंबर			

किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य/जिला/ब्लॉक कार्यालय (नाम : ..../फोन नं0 ....) में बात कर सकते हैं।

हेडमास्टर स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर ––– फरवरी 2020 तक ए.एन.एम. के पास जमा करें

ए.एन.एम. सभी स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक पर ––– **मार्च 2020** तक जमा करें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए सही तरीके और समय पर रिपोर्ट करने में आपकी अहम भूमिका!

9

1. रिकॉर्डिंग

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चें के नाम के आगे एक सही (✓) का एक निशान लगाएं।
- मॉप-अप दिवस पर दवाई खिलाने के बाद रजिस्टर पर दो सही (✓✓) के निशान लगाएं।

➔ निर्देशः- हैण्डआउट के साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को अलग करने को कहें, उसे भरने के लिए विस्तार से समझायें।

2. रिपोर्टिंग

- प्रत्येक शिक्षक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर और मॉप-अप दिवस की संख्या अलग-अलग गिनती करें और हेडमास्टर को रिपोर्ट करें।
- हेडमास्टर बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनिश्चित करें कि संख्या की सही गिनती की गई है । इसमें अपने स्कूल के किसी एक शिक्षक से आकड़ों की गणना अवश्य करायें।
- हेडमास्टर सभी वर्गों के आकड़ों को स्कूल रिपोर्टिंग फॉर्म में भर कर ए.एन.एम. को दें।
- रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी अपने स्कूल पर संभाल कर रखें।

➔ निर्देशः- प्रशिक्षक साथ दिए रिपोर्टिंग की दिशानिर्देश के बारे में विस्तार से बतायें।

10

नाखून साफ
और छोटे रखें

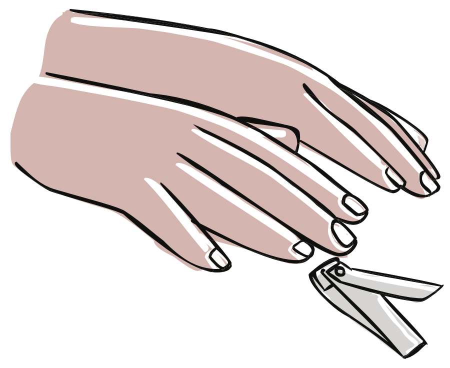

आस पास
सफ़ाई रखें

हमेशा साफ
पानी पीएं

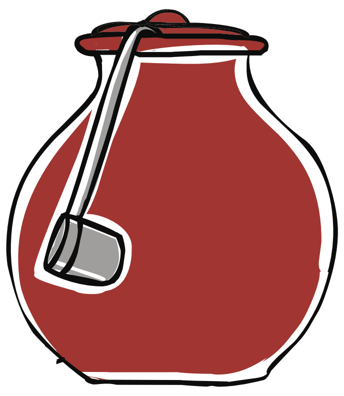

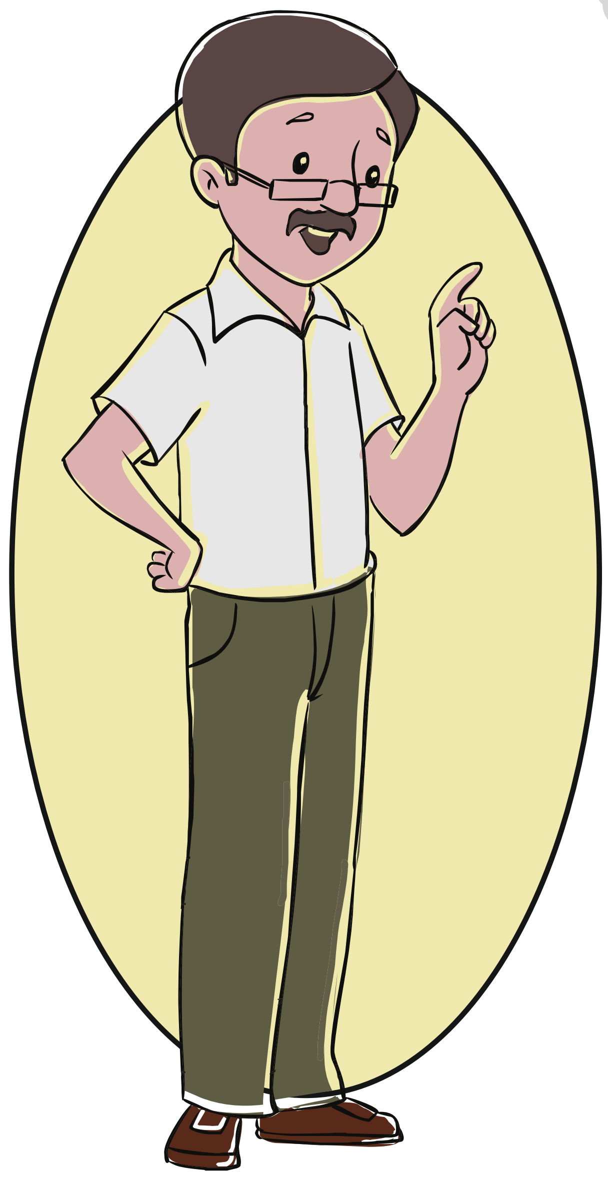

जूते पहनें

खाने को ढ़क
कर रखें

खुले में शौच ना
करें, हमेशा शौचालय
का प्रयोग करें

साफ पानी
से फ्ल व
सब्ज़ियाँ धोएं

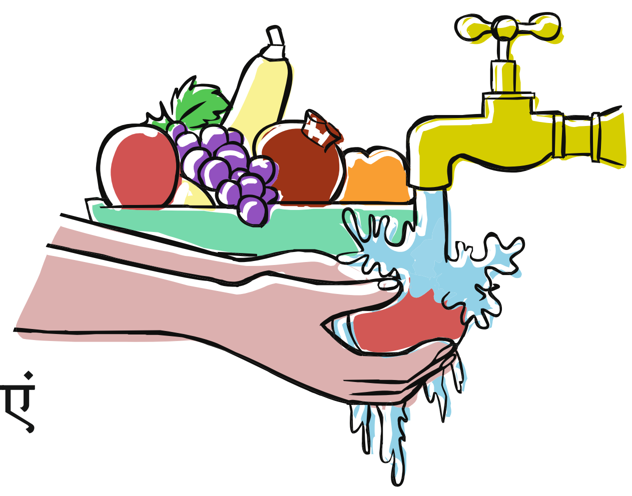

अपने हाथ साबुन से
धोएं, विशेषकर खाने
से पहले और शौच
जाने के बाद

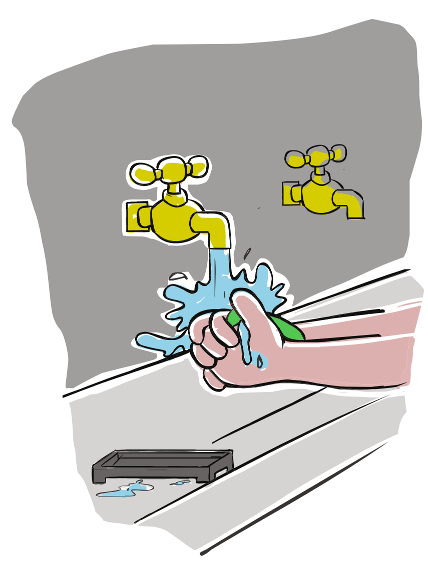

कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए आसान व महत्वपूर्ण व्यवहार

10

स्वाति अब स्वस्थ महसूस करती है। वह समुदाय में तथा अपने दोस्तों को इन आवश्यक बातों के बारे में बताती है।

- घर, आंगन व आसपास सफ़ाई रखें
- जूते पहनें
- खुले में शौच ना करें, शौचालय का प्रयोग करें
- अपने हाथ साबुन से अवश्य धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद
- साफ पानी से फ़ल व सब्ज़ियाँ धोएं
- खाने को ढ़क कर रखें
- हमेशा साफ पानी पीएं
- नाखून साफ और छोटे रखें

बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक और निर्देशानुसार भागीदार बनें।

याद रखें:

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस: ....

मॉप–अप दिवस: ....

स्कूल रिपोर्टिंग फार्म जमा करने की अंतिम तिथि: ....